निसबड पुस्तकालय

आर्टीफिशियल जेवरात बनाना सीख महिलाएं बन रही उद्यमी

सेक्टर-62 स्थित निसबड में आयोजित ज्वेलरी प्रदर्शनी में भाग लेती छात्र छात्राएं।

जागरण संवाददाता, नोएडा : महिलाएं उद्यमी बनना चाहती हैं, तो उनका कम पढ़ा लिखा होना रोड़ा नहीं बन सकता है। निसबड से 30 महिलाओं के बैच ने प्रशिक्षण लिया है। इस बैच को यहां मुफ्त में आर्टीफिशियल जेवरात बनाने का महीने भर का प्रशिक्षण दिया गया, ताकि यह खुद का काम शुरू करके उद्यमी बन सके।

निसबड में आर्टीफिशियल जेवरात बनाने का प्रशिक्षण फरवरी में शुरू हुआ। निसबड का यह पहला बैच था। इसमें 30 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया। यह पूरी तरह से निःशुल्क था। आर्टीफिशियल जेवरात बनाने का प्रशिक्षण देने वाली रितु सचदेवा कहती हैं। यह उद्योग छोटे स्थान में किया जा सकता है। इसे अपने घर में बैठकर भी किया जा सकता है। इसमें महिलाओं को उद्यमी बनना बेहद आसान है। निसबड में महिलाओं को आर्टीफिशियल जेवरात बनाने से लेकर कच्चा सामान खरीदने तक के बारे में जानकारी दी गई कि वह बाहर से कच्चा माल खरीदकर अपने घर में ही इससे जेवरात के उत्पाद बनाएं। इन उत्पादों को बेचने के लिए प्रदर्शनी, मेले में स्टॉल लगाकर बेच सकती हैं। इसके अलावा जेवरात की दुकानों से संपर्क करके अपना माल बेचा सकती हैं।

पिंकी कहती हैं कि उन्होंने यहां आर्टीफिशियल जेवरात बनाना सीख लिया है। अब कच्चा माल खरीदकर घर पर ही बनाने का कार्य करुंगी। माल तैयार होने पर प्रदर्शनी व मेले में स्टॉल लगाकर बेचना है। इसमें सरिता, सविता, बबिता, भावना, प्रीति प्रतिभा सहित अन्य ने ली प्रशिक्षण लिया।

दैनिक जागरण - 23 मार्च. 15